卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की 卐卐श्याम बाबा卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 63 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦9 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

एसआईआर में बाधा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने और चुनाव आयोग के काम में बाधा डालने के मामलों को गंभीरता से लिया है। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग से कहा कि सहयोग की कमी और बीएलओ को धमकाने जैसी घटनाओं की जानकारी अदालत को तुरंत दी जाए, ताकि उचित आदेश पारित किए जा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेताया कि यदि हालात बिगड़ते हैं और चुनाव प्रक्रिया में बाधा आती है, तो पुलिस तैनात करने के

अलावा और कोई विकल्प नहीं बचेगा। अदालत ने कहा इन हालातों को नजरअंदाज किया गया तो अराजकता फैल सकती है। चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वस्त किया कि उनके पास सभी संवैधानिक शक्तियां हैं, और वे बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से निपट सकते हैं। पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए चुनाव आयोग ने पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) के रूप में नियुक्त किया है। प्रेसिडेंसी संभाग के लिए रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत (शेष पृष्ठ सात पर)

हरीश रावत ने सिख समुदाय से मांगी माफी, गुरुद्वारा में की सेवा

देहरादून। कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के विवादित बयान के बाद सिख समुदाय के बीच उत्पन्न विवाद को शांत करने का प्रयास किया। सोमवार को उन्होंने आढ़त बाजार स्थित गुरुद्वारा में संगत के जूते रखने के स्थान (जोड़ाघर) और लंगर रसोई में सेवा की। इस दौरान उन्होंने श्री

गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नतमस्तक होकर क्षमा भी मांगी और प्रसाद चढ़ाया। इस अवसर पर हरीश रावत ने कहा जो गलती हमसे हुई है, उसकी माफी गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नतमस्तक होकर मांगी गई है। सिख संगत और गुरुद्वारा सिंह सभा द्वारा भगवान नानक देव जी के वचन सुनाए जाने से हमारे मन और भावनाओं को पवित्र किया गया। समाधान स्वरूप हमने लंगर सेवा की और जोड़ा घर में भी (शेष पृष्ठ सात पर)

शहरी विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: धामी

नगर निगम के २७वें स्थापना दिवस पर सीएम ने किया 46 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

देहरादून। नगर निगम के 27वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 46 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया और महिलाओं के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में अपने सम्बोधन के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शहरी विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रदेश सरकार पूर्णतया प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देहरादून को मॉडल सिटी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनसुविधाओं में सुधार के माध्यम से शहरवासियों को

बेहतर लाइफलाइन उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 27 वर्षों में देहरादून नगर निगम ने नागरिक सुविधाओं के विस्तार और शहरी प्रबंधन के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा, ष्देहरादून को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित नगर बनाने में नगर निगम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज का यह अवसर न केवल हमारी उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि आने वाले समय में महानगर को भविष्य की चुनौतियों से निपटने और विकास के नए आयाम देने का भी है। हमारी सरकार भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण देने के लिए काम कर रही है। सीएम धामी ने कहा कि डबल इंजन सरकार में शहरों के विकास की नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। उन्होंने उल्लेख किया कि आवासहीनों को घर दिए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार समग्र विकास और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा हर क्षेत्र में विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। शहरों में कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, और विभिन्न जनकल्याणी योजनाओं के माध्यम से नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का संदर्भ देते हुए बताया कि (शेष पृष्ठ सात पर)

शादी के दस दिन बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। रूद्रपुर रम्पुरा निवासी एक महिला की शादी के लगभग दस दिन बाद ही मुरादाबाद में संदिग्ध परिस्थितियों में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजन उसे यहां जिला चिकित्सालय लेकर आये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचकर मृतका के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार रम्पुरा वार्ड 24 निवासी 26 वर्षीय सोनी पुत्री मंगलसेन का विवाह 26 नवम्बर 25 को शिव बिहार कालोनी, लाइन पार, मुरादाबाद यूपी निवासी महेश उर्फ

गौतम पुत्र विजय कुमार के साथ हुआ था। सोनी की छोटी बहन भावना ने बताया कि सोमवार को सुबह 6 बजे सोनी की ससुराल से फोन आया कि सोनी की तबीयत खराब है उसे देखने के लिए आ जाओ। उसने बताया कि सूचना मिलते ही परिजन मुरादाबाद के लिए रवाना हो गये। दोपहर करीब 12 बजे मुरादाबाद सोनी की ससुराल पहुंचने पर देखा कि सोनी घर में बेसुध पड़ी हुई है। परिजनों ने उसे गोद में लेकर हाल जानने की कोशिश की। उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे स्वयं के खर्चे पर तत्काल निजी चिकित्सालय भर्ती कराया। जहां सायंकाल तक उसकी हालत में कोई सुधार होने पर चिकित्सकों ने सोनी को वेंटीलेटर पर रखने की सलाह दी। परिजनों ने बताया कि सोनी को बेसुध हालत में मुरादाबाद से रूद्रपुर लेकर आये और यहां निजी चिकित्सालय में दिखाने को लेकर गये लेकिन जहां उन्होंने उसे जिला चिकित्सालय ले जाने को कहा। जिला चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सकों ने सोनी को मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस का कहना है कि शादी के चंद दिनों बाद ही नवविवाहिता की मौत हुई है। इसलिए पैनल के माध्यम से मृतका का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक की मौत

देहरादून (उद संवाददाता)। बल्लूपुर पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर महाराजा होटल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें हिमाचल प्रदेश के कुल्लू निवासी सलगी राम (68) पुत्र शोभाराम की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद पुलिस ने कार को चौकी में खड़ा कर दिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब हिमाचल प्रदेश के दस लोग महाराजा होटल में भोजन करने के बाद बाहर निकले और पांवटा की ओर जा रहे थे। उनके दो वाहन सड़क के दूसरी ओर खड़े थे। इसी दौरान देहरादून की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने एक राहगीर को टक्कर मार दी। घायल व्यक्ति को तुरंत धर्मावाला स्थित स्वामी विवेकानंद अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए घायल को हायर सेंटर रेफर किया। घायल का उपचार देहरादून स्थित महंत इंद्रेश अस्पताल में चल रहा था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कोतवाल विकासनगर विनोद गुसाई ने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और हादसे की पूरी जांच की जाएगी।

प्राधिकरण के खिलाफ गरजे राज्य आन्दोलनकारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला विकास प्राधिकरण द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे परिवारों को नक्शा स्वीकृति के लिए दिए जा रहे नोटिस के खिलाफ आज राज्य आन्दोलनकारी एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरू के नेतृत्व में अनेक राज्य आन्दोलनकारियों व ग्रामीणों ने विकास भवन पहुंचकर जिला विकास प्राधिकरण के विरूद्ध जोरदार प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा और सात दिनों में आपनी मांगों का समाधान न होने पर आन्दोलन करने का ऐलान किया। श्री

पनेरू ने कहा कि वर्तमान में जिला विकास प्राधिकरण की प्रणाली आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। उन्होंने कहा कि तराई भावर क्षेत्र में प्लॉट खरीदने वाले अधिकांश परिवार पर्वतीय जिलो से आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित छोटी कालोनियां ही इन परिवारों के लिए घर बनाने का सबसे सस्ता एक मात्र विकल्प है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में कालोनियां बंद कर दी गई तो हजारों परिवारों का अपना घर बनाने का सपना टूट जायेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ने बिना (शेष पृष्ठ सात पर)

विधायक ने 4 किमी मार्ग का किया लोकार्पण

रूद्रपुर। विधायक शिव अरोरा ने 16 वर्षों से जर्जर हालत में पड़े एनएच 87 से अटरिया मंदिर मोड़ होते हुए परशुराम चौक सिडकुल ढाल तक 4 किलोमीटर लंबे हॉटमिक्स मार्ग का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इस मार्ग का निर्माण 1.94

करोड़ रुपए की लागत से कराया गया है। लोकार्पण समारोह सिडकुल ढाल के पास आयोजित किया गया, जहां विधायक शिव अरोरा का स्थानीय नेताओं, पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने फूलमालाओं और गरमजोशी भरे स्वागत के साथ अभिनंदन किया। विधायक शिव अरोरा ने कहा कि यह मार्ग पिछले 16 वर्षों से लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बना हुआ था। बरसात के समय गड्ढों और खस्ताहाल सड़क के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती थीं। स्थानीय लोगों ने कई बार धरने और आंदोलन कर इस मार्ग के निर्माण की मांग की थी। विधायक अरोरा ने कहा, ष्अपने विधायक बनने के बाद मैंने इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव राज्य योजना के तहत स्वीकृत करवा कर इसे सुगम बनाया। प्रतिदिन (शेष पृष्ठ सात पर)

समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर : धामी

डिजिटल उत्तराखंड की दिशा में बड़ा कदम, सीएम धामी ने क्रिएटर्स मीट 2025 में रखी नई दृष्टि

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित "उत्तराखंड क्रिएटर्स मीट-2025" में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से जुड़े अनेक कंटेंट क्रिएटर्स, डिजिटल उद्यमी, व्लॉगर्स तथा युवा इंफ्लुएंसर्स ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अनेक सोशल मीडिया क्रिएटर्स से अनौपचारिक संवाद किया तथा उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। युवा कंटेंट क्रिएटर्स के साथ हुए इस संवाद को मुख्यमंत्री ने "युवा सोच और डिजिटल ऊर्जा का संगम" बताया। एक युवा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत-श्रेष्ठ भारत /2047' दृष्टिकोण में उत्तराखंड की भूमिका के बारे में प्रश्न किया। इसका उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विकसित भारत का आधार तभी सुदृढ़ होगा जब देश और राज्य का हर ब्लॉक, हर तहसील, हर जिला और हर गांव सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है-चाहे वह बुनियादी ढांचा हो, पर्यटन, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य या उद्यमिता-सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की जा रही है। एक अन्य क्रिएटर द्वारा भ्रष्टाचार से जुड़े प्रश्न पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि अब तक 200 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और "भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आगे भी पूरी दृढ़ता से जारी रहेगी।मुख्यमंत्री श्री धामी ने बताया कि राज्य की सामूहिक प्रगति के लिए अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करने के लक्ष्य पूरा हो चुका है। हेली कनेक्टिविटी को बड़े स्तर पर विस्तार दिया जा रहा है, जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में

आवागमन आसान हुआ है, उत्तराखंड में औद्योगिक क्रांति और निवेश वातावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और श्रृंखलाबद्ध रोड शो के माध्यम से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है ।अब तक 3.56 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए जा चुके हैं और 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की ग्राउंडिंग हो चुकी है। राज्य में पर्यटकों की संख्या हर वर्ष नया रिकॉर्ड बना रही है,सरकार के प्रयासों से शीतकालीन यात्रा के भी अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राज्य में महिलाओं की भूमिका पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति ने स्वरोजगार, स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, स्वयं सहायता समूहों और पारंपरिक कौशल के क्षेत्र में पूरे देश के सामने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता इतनी उत्कृष्ट है कि वे कई मल्टीनेशनल कंपनियों के उत्पादों से भी बेहतर हैं। सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण तथा उनकी उद्यमशीलता को और मजबूत करने के लिए लगातार नई योजनाओं पर कार्य कर रही है।राज्य की आगामी सोशल मीडिया नीति से जुड़े प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष तक उत्तराखंड सरकार की नई सोशल मीडिया नीति लागू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह नीति डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं के बेहतर प्रसारण, सरकारी योजनाओं के प्रभावी संप्रेषण तथा राज्य के युवाओं और क्रिएटर्स को अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि क्रिएटर कम्युनिटी को प्रोत्साहित किया जाए और डिजिटल माध्यमों के जरिए राज्य की संस्कृति, पर्यटन, उद्यमिता एवं उपलब्धियों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया आज सूचना, संवाद और जनभागीदारी का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज किसी भी घटना की जानकारी कुछ ही सेकंड में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुँच जाती है और सोशल मीडिया ने आम नागरिक की आवाज को एक व्यापक मंच प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करने वाला एक प्रभावशाली मंच बन गया है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका अब केवल कंटेंट क्रिएशन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक परिवर्तन लाने वाले सोशल चेंज मेकर्स के रूप में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की शक्ति के कारण ही आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को शासन व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से राज्य सरकार भी डिजिटल उत्तराखंड के निर्माण हेतु संकल्पबद्ध है। शासन को अधिक पारदर्शी व उत्तरदायी बनाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुख्यमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न विभाग सोशल मीडिया के माध्यम से जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। पहले शिकायत दर्ज कराने के लिए कार्यालयों में बार-बार जाना पड़ता था, जबकि अब एक ट्वीट या संदेश के माध्यम से तत्काल सुनवाई और समाधान संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण किया है, जिससे प्रशासन और अधिक संवेदनशील और जवाबदेह हुआ है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ इसके दुरुपयोग के मामले भी सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया का प्रयोग गलत अफवाहें फैलाने, सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने और जनहितकारी योजनाओं के बारे में भ्रम उत्पन्न करने के लिए करते हैं। उन्होंने सभी कंटेंट क्रिएटर्स से आग्रह किया कि किसी भी भ्रामक या तथ्यहीन सामग्री का न केवल फैक्ट-चेक करें, बल्कि उसके सही तथ्यों को लोगों तक पहुँचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नकारात्मक कंटेंट क्रिएटर्स अधिक व्यूज और फॉलोअर्स पाने की होड़ में समाज, धर्म, सरकार या प्रदेश की छवि को नुकसान पहुँचाने वाली सामग्री प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रसिद्धि की इस प्रतिस्पर्धा में नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक कर्तव्य को ध्यान में रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कंटेंट क्रिएटर्स राज्य के विकास में भी बड़ा योगदान दे सकते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों, स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक धरोहर और समाज की उपलब्धियों पर आधारित सकारात्मक सामग्री न केवल राज्य की छवि को मजबूत करेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुँचाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी स्थानीय कारीगर या उत्पाद की एक सकारात्मक कहानी उसे राष्ट्रीय पहचान दिला सकती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि किसी भी समस्या, शिकायत या जनहित से संबंधित जानकारी की जानकारी क्रिएटर्स को मिलती है, तो वे इसे तुरंत सरकार तक पहुँचाएँ। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी प्रत्येक जानकारी पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्रिएटर्स की जागरूकता और रचनात्मकता शासन-प्रशासन को और अधिक प्रभावी और संवेदनशील बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को देश का सर्वोत्तम राज्य बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" के मंत्र के साथ निरंतर कार्य कर रही है और उन्हें विश्वास है कि इस संकल्प को साकार करने में क्रिएटर समुदाय भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी, जागर गायक श्री प्रीतम भरतवाण, तथा देश-प्रदेश भर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं क्रिएटर्स उपस्थित रहे।

मिथिलेश प्रियदर्शी को मिला शशिभूषण द्विवेदी स्मृति सम्मान

रूद्रपुर/पटना। द्वितीय जानकीपुल शशिभूषण द्विवेदी स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन पटना पुस्तक मेले के दूसरे दिन व्यास मंच पर किया गया। लेखक संपादक प्रभात रंजन द्वारा आरंभ किए गए इस पुरस्कार का यह दूसरा वर्ष है। श्रीमती शिवकुमारी द्विवेदी तथा परिवार की ओर से बृजभूषण द्विवेदी, किरण द्विवेदी, समृद्धि शानवी, अवधेश पांडे, सुमन पांडे और प्रत्यक्षा मौजूद रहीं। पुरस्कार समिति के संयोजक गिरिराज किराडू तथा पुरस्कृत लेखक मिथिलेश प्रत्यक्षा ने कहानी के देश काल, उसके सामाजिक संदर्भों और पाठकीय दृष्टि पर अपने विचार व्यक्त किए। गिरिराज किराडू ने पुरस्कार की चयन प्रक्रिया का विवरण देते हुए बताया कि निर्णायकों ने किस आधार पर इस वर्ष की कृति को साथ ही उन्होंने इस सार्थक आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई भी दी। सभी वक्तव्यों के बाद पटना के 'नाद' ग्रुप ने कबीर गायन की मनभावन प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम के वातावरण को और ऊर्जा से भर दिया। इसके उपरांत दिल्ली

इस बार का सम्मान युवा लेखक मिथिलेश प्रियदर्शी को उनके कहानी संग्रह "लोहे का बक्सा और बंदूक" के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ लेखक हृषीकेश सुलभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में दिवंगत कथाकार शशिभूषण द्विवेदी की माता प्रियदर्शी भी मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर हृषीकेश सुलभ ने समकालीन कहानी की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की और शशिभूषण द्विवेदी की प्रसिद्ध कहानी "ब्रह्महत्या" का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसी कहानियों की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। चुना। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र कुमार ने किया, जिन्होंने मिथिलेश प्रियदर्शी की कहानियों के साथ ही समकालीन युवा कथाकारों की लेखनख्रदिशा पर भी अपनी बात रखी। पुरस्कार प्रदान करते हुए श्रीमती शिवकुमारी द्विवेदी ने विजेताओं को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। के युवा शायर अभिषेक कुमार अम्बर ने पटना और अजीमाबाद से जुड़े संदर्भों पर आधारित अपनी विशेष प्रस्तुति से श्रोताओं का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का समापन जानकीपुल की ओर से धन्यवाद ज्ञापन करती हुई रोहिणी कुमारी ने किया। कार्यक्रम पूरे गरिमामय माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उत्तराखण्ड में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिली अभूतपूर्व उपलब्धियां

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने बताया कि राज्य में पहली बार शुरू की गई अनेक पहलें विज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने में ऐतिहासिक सिद्ध हो रही हैं। राज्य में पहली बार विज्ञान रेडियो 88.8 MHz को स्वीकृति मिली है। यह पहल विज्ञान को सरल, रोचक और जनहितकारी स्वरूप में प्रत्येक घर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महिलाओं और छात्राओं को एसटीईएम क्षेत्रों में प्रेरित करने हेतु पहली बार शी फॉर एसटीईएम कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया, जिसके माध्यम से हजारों छात्राओं को मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण मिल रहा है।राज्य के सभी 13 जनपदों में पहली बार एक–एक मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला लैब ऑन व्हील्स संचालित होने लगी है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आधुनिक प्रयोगात्मक शिक्षा उपलब्ध हो रही है। राज्य के महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और विभिन्न संस्थानों में पहली बार 60 पेटेंट सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो नवाचार, शोध एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं। पहली बार राज्य के सभी जनपदों और ब्लॉकों में साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रीमियर लीग आयोजित की जा रही है, जिसमें हजारों छात्र शामिल होकर विज्ञान के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड में विज्ञान और नवाचार को जन आंदोलन बनाने का हमारा संकल्प अब साकार रूप ले रहा है। यूकॉस्ट द्वारा पहली बार शुरू की गई ये पहलें न सिर्फ हमारे युवाओं को नई दिशा दे रही हैं, बल्कि विकसित उत्तराखण्ड /2027 और विकसित भारत /2047 के संकल्प को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। हम चाहते हैं कि विज्ञान की रोशनी हर गांव, हर स्कूल और हर घर तक पहुँचे। हमारी सरकार युवा वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, स्टार्टअप्स और विशेष रूप से बेटियों को एसटीएम क्षेत्रों में अग्रसर करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड आने वाले समय में विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में देश का प्रेरक राज्य होगा।

ऐतिहासिक होगी दिल्ली में कांग्रेस की महारैली: बेहड़

गदरपुर। कांग्रेस की दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' रैली को सफल बनाने के उद्देश्य से एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पहुंचे किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ ने कहां कि देश में पहली चोरी तब हुई जब केंद्र सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव किया। पहले चुनाव आयुक्त का चयन एक पारदर्शी और संतुलित प्रणाली के तहत होता था लेकिन अब सरकार ने चयन प्रक्रिया में बदलाव कर लोकतंत्र की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रहार किया है। बेहड़ ने कहा कि 14 दिसंबर की रैली ऐतिहासिक रैली होगी उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में रैली में प्रतिभाग करने की अपील की वहीं कांग्रेस नगर अध्यक्ष

सिद्धार्थ भुसरी ने कहा कि यह रैली राहुल गांधी के नेतृत्व में एक सफल व ऐतिहासिक महारैली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आह्वान पर पूरे प्रदेश से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भागीदारी करेंगे। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा कि आने वाली 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की रैली की तैयारी जमकर चल रही है जिसमें समस्त कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी के साथ वहां पहुंचने की अपील की गई है। बैठक में पहुंची ममता हालदार ने कहा कि दिल्ली में महा रैली होना प्रस्तावित है इस महा रैली में देश भर के कांग्रेसी कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे उन्होंने कहा कि बैठक में सभी ने रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया है। इस दौरान मास्टर रामविलास, सुखविन्दर सिंह,चंदन नयाल, सुमित्तर भुल्लर, किशोर सामंत, टेकचंद कंबोज, भीम ठुकराल,सलीम बाबा, शाकिर अली,फैजान खान, ब्रजेश चौधरी,मुकेश चावला, सुनबर सलमानी सहित काफी लोग मौजूद रहे।

बेहड़ ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

गदरपुर। कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं उत्तराखंड सरकार में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रहे तिलक राज बेहड़ का गदरपुर आगमन सोमवार को एक बार फिर राजनीतिक हलकों में उत्साह और जोश भर गया। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से वे गदरपुर पहुंचे, जहां कांग्रेस के सभी प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। तिलक राज बेहड़ के आगमन से क्षेत्र में एक बार फिर वही पुराना उत्साह देखने को मिला जिसके लिए वे वर्षों से जाने जाते हैं। उनके समर्थन में सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों के चेहरे पर उत्सुकता और सम्मान साफ झलक रहा था, मानो बरसों पुरानी उस लोकप्रियता की छाप आज भी वैसी ही कायम है। कभी उत्तराखंड के लोकप्रिय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपनी छाप छोड़ चुके तिलक राज बेहड़ का प्रभाव क्षेत्र में आज भी मजबूत दिखाई देता है। गदरपुर शहर में उनके समर्थकों का उत्साह ऐसा था कि पूरा माहौल एक राजनीतिक उत्सव जैसा दिखने लगा। कई वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि बेहड़ की सादगी, काम करने का तरीका और जनता से जुड़ाव ही वह कारण है जिसके चलते उनकी लोकप्रियता समय के साथ और मजबूत हुई है।

वीरांगना श्रीमती हरवीरी देवी के निधन पर शोक

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्रेत्र के प्रमुख किसान तथा प्रतिष्ठित अध्यापक गुलाब सिंह सिरोही की माता जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना मां हरवीरी देवी जी का स्वर्गवास हो गया , उनके निधन पर क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है। उत्तरप्रदेश उत्तराखंड लोक तंत्रसेनानी संघ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि से हम लोकतंत्र सेनानियों के लिए प्रेरणास्त्रोत थी लोकतंत्र सेनानी एडवोकेट सुभाष चंद्र छाबड़ा ने कहा कि माता जी संघर्ष के साथियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करती थी वे एक धार्मिक और समाजसेवा के लिए हर समय तत्पर रहने वाली महिला थी। जिला बार एसोसिएशन ऊधमसिंह नगर के पूर्व सचिव सर्वेश कुमार ने कहा कि हमारा इलाका अपनी माता के स्नेह और प्रेम से वंचित हो गया है व्यापारमंडल की तरफ से प्राण ठक्कर तथा जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव फौगाट ने कहा कि उनके निधन से समाजसेवा का क्षेत्र सूना हो गया है वे हम सभी की प्रेरणास्त्रोत थी । मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य विकास गगनेजा तथा नारायण पुर सोसायटी के नवनिर्वाचित डायरेक्टर राज गगनेजा ने कहा कि माताजी का निधन अत्यंत ही दुखित करने वाला है, उनके निधन पर विश्व हिंदू परिषद के नेता विनोद फौगाट, भोला छाबड़ा , कमलाचिलाना, पूर्व शासकीय अधिवक्ता वीरेंद्र चौधरी समेत तमाम लोगों ने माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर सिरोही परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है, माता जी का अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह दस बजे ग्राम छतरपुर मुक्तिधाम पर सम्पन्न होगा।

हल्द्वानी दंगे के मुख्य साजिशकर्ता को नहीं मिली जमानत

नैनीताल (उद संवाददाता)। हल्द्वानी दंगे के कथित मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक को हाईकोर्ट ने सोमवार को जमानत नहीं दी। वहीं, उस पर लगे आरोपों के संबंध में प्रदेश सरकार से पूरा ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही अदालत ने हल्द्वानी दंगे के तीन अन्य आरोपियों को जमानत प्रदान कर दी है। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ में हल्द्वानी दंगे से जुड़े मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक समेत कुल 16 मामलों में सुनवाई हुई। इनमें से तीन ही आरोपियों को दानिश मलिक, जुनैद और अयाज अहमद को जमानत मिल पायी। खंडपीठ ने हल्द्वानी नगर निगम के पूर्व पार्षद जीशान परवेज उर्फ सेबू को भी जमानत नहीं दी। सभी आरोपियों के मामले में अदालत दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगी। मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक की ओर से जमानत की मांग करते हुए कहा गया कि वह निर्दोष है। घटना के दिन वह मौके पर मौजूद नहीं था। उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य भी मौजूद नहीं हैं। वह वरिष्ठ नागरिक है और पिछले वर्ष फरवरी से जेल में बंद है। सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि वह मुख्य आरोपी है। उस पर पूरी साजिश रचने के गंभीर आरोप हैं। उसने सरकारी जमीन पर कब्जा किया और जब प्रशासन की टीम वहां पहुंची तो उन पर हमला कर दिया। अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए सरकार को निर्देश दिए कि वह आरोपी पर लगे सभी आरोपों का ब्योरा अदालत में पेश करे। सभी आरोपियों के बारे में भी अदालत दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगी।

गरीबों को उजाड़ने के खिलाफ सरकार का पुतला फूंका

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।रामनगर के पुछड़ी में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने के विरोध में श्रमिक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले विभिन्न मजदूर संगठनों ने भाजपा सरकार का पुतला परशुराम चौक, ट्रांजिट कैम्प में फूंका। इस दौरान हुई संक्षिप्त सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में पूंजीपतियों और विकास कार्यों के लिए दशकों से काबिज गरीब जनता की जमीनें छीनने का काम कर रही है। पूंजीपतियों के लिए जमीनें छीनने और उनके आशियानों पर बुलडोजर चलाने की नीति ही भाजपा सरकार की मुख्य नीति है। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री धामी और तमाम प्रशासन के आला अधिकारी जमीनें छीनने के लिए डेमोग्राफी में बदलाव की रट लगाए हुए हैं। सरकारों का काम जनता को रोजी, रोटी, रोजगार, घर देने का होता है। लेकिन भाजपा सरकार यह सब छीनने में लगी हुई है। गरीब लोग जैसे ख्रतैसे मुश्किल व विपरीत परिस्थितियों में अपना खून ख्रपसीना बेचकर कुछ रुपए जुटाकर अपना घर बनाते है। लेकिन ये सरकार बस्तियां की बस्तियां उजाड़ दे रही है। न्यायालयों के तमाम निर्देशों के बावजूद बिना पुनर्वास व वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला देना ना सिर्फ अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ना है बल्कि मानवता के खिलाफ भी है। वक्ताओं ने कहा कि पुछड़ी में गरीबों के मालिकाना हक और उनकी न्याय की लड़ाई लड़ने वाले एक दर्जन से अधिक नागरिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करना शासनख्रप्रशासन के अमानवीय चेहरे को दर्शाता है। प्रदर्शन के माध्यम से संगठनों ने मांग की कि गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही को तुरंत रोका जाए और उनके आशियानों को वैधता प्रदान करने के लिए पूरे प्रदेश में रह रहे लोगों को उनकी काबिज जमीन पर मालिकाना हक दिया जाए, साथ ही जिन परिवारों को उजाड़ा है उनके पुनर्वास व मुआवजे की व्यवस्था की जाए। इस दौरान सीएसटीयू के कॉमरेड मुकुल, क्रालोस के शिवदेव सिंह, भाकपा(माले) के ललित मटियाली ने संबोधित किया। इसके अलावा सी एस टी यू के धीरज जोशी, ऐक्टू की अनिता अन्ना, हरेंद्र सिंह, विजय शर्मा, भूपति रंजन मलिक, ज्ञानचंद, ब्म्श्रमिक संगठन से डूंगर सिंह, एडविक मजदूर संगठन से राजू सिंह, ऑटो लाइन मजदूर संगठन से जीवन लाल, राजेश आदि शामिल थे।

पत्रकार प्रेस परिषद खटीमा के विकास बने अध्यक्ष

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। पत्रकार प्रेस परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव अशोक गुलाटी ने खटीमा तहसील कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग करते हुए वरिष्ठ पत्रकार विकास शील को खटीमा इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही उन्हें तीन दिन के भीतर नई कार्यकारिणी का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी प्रेस नोट में अशोक गुलाटी ने बताया कि खटीमा तहसील इकाई के मौजूदा अध्यक्ष अशोक सरकार को संगठन में की जा रही मनमानी और अनुशासनहीनता के आरोप में 48 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। उनके जवाब को संगठन ने असंतोषजनक पाते हुए अशोक सरकार को पद से निष्कासित कर पूरी कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। अशोक सरकार के स्थान पर वरिष्ठ पत्रकार विकास शील को खटीमा इकाई का नया अध्यक्ष बनाया गया है। अशोक गुलाटी ने स्पष्ट कहा कि संगठन में अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह संगठन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी पत्रकार साथियों का है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम अपने दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता और संगठन की मर्यादा के अनुरूप करेगी।

विभिन्न राज्यों का भ्रमण करेंगे उत्तराखंड के टॉपर

मुख्यमंत्री ने 240 टॉपर छात्र-छात्राओं के दल को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर किया रवाना

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा-2025 में हाईस्कूल परीक्षा के टॉपर 240 छात्र-छात्राओं के दल को भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त छात्र-छात्राएं अलग-अलग दलों में मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि वो अपनी डायरी में यात्रा अनुभव लिखने के साथ उत्तराखंड में पहली बार हुए नवाचारों और उपलब्धियों को भी दर्ज करें। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड ने देश में पहली बार यूसीसी लागू कर अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल प्रस्तुत गई है, उत्तराखंड में पहली बार राष्ट्रीय खेलों का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहली बार भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई। राज्य में पहली बार 10 हजार हजार एकड़ जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई, साथ ही साथ मदरसा बोर्ड को समाप्त किया गया, इसी तरह का भ्रमण किया, इस वर्ष प्रतिभागियों की संख्या बढ़कर 240 हो गई है। ये प्रतिभान छात्र- छात्राएं इसरो, श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, प्रोफेसर यूआर राव उपग्रह केंद्र, और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र जैसे संस्थानों का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब वो इन संस्थानों का होगा। इस भ्रमण से प्राप्त अनुभवों को वो जीवन भर याद रखेंगे और उत्तराखंड के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में देश के विभिन्न भागों में हमारी संस्कृति, प्रकृति, खान-पान और पर्यटन की विशेषताओं को साझा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि आज का युग ज्ञान और कौशल का युग है। भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण पर एक दिन अवश्य सफलता मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग ने इस बार वंदेमातरम के डेढ़ सौ वर्ष पूरे होने के अवसर संविधान दिवस के दिन, 23 हजार स्कूलों में वंदेमातरम गायन किया, जिसमें रिकॉर्ड 21 लाख लोगों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि

विभिन्न राज्यों का भ्रमण करेंगे। एससीईआरटी ननूरखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत दर्शन शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के जरिए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भारत की प्रगति, विज्ञान, तकनीक, इतिहास और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखने-समझने का अवसर मिल रहा है। किया है। इसी तरह राज्य में पहली बार सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को पहली बार सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रथम स्थान मिला, इसी तरह, 2023 में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में उत्तराखंड की झांकी को प्रथम स्थान मिला, राज्य में पहली बार 27 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की उत्तराखंड को मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण से लौटने बाद इस डायरी के आधार पर प्रत्येक जनपद से दो-दो छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि कि वर्ष 2024-25 से प्रारम्भ इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में 156 छात्रों ने देश के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक व तकनीकी संस्थानों भ्रमण करेंगे तो उन्हें ये अनुभव होगा कि तकनीक के क्षेत्र में आज का नया भारत कितना आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि किताबों से मिली शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रत्यक्ष अनुभव से समझ और दृष्टिकोण में कई गुना वृद्धि होती है। इस यात्रा का एक बड़ा लाभ ये होगा कि छात्र-छात्राओं में टीमवर्क, सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास का विकास जाने वाले छात्र-छात्राएं भविष्य में जिस भी क्षेत्र में जाएंगे अपने ज्ञान और कौशल से वो भविष्य के हमारे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, उद्यमी, कलाकार और नीति निर्माता बनेंगे। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा वो अपने सपनों को हमेशा बड़ा रखें। जीवन में चुनौतियाँ आएंगी, कठिनाइयाँ आएंगी, पर उनसे सीखते हुए आगे बढ़ने से आपको एक न मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अगले वर्ष से शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में एक हजार प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भेजे जाने की अनुमति प्रदान कर दी है। कार्यक्रम में रायपुर विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, सचिव श्री रविनाथ रामन, अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरु, शिक्षा महानिदेशक सुश्री दीप्ति सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गूलरभोज में बनेगा जनरल बिपिन सिंह रावत प्रतिमा चौक

गूलरभोज(उद संवाददाता)। नगर पंचायत गूलरभोज के वार्ड नंबर 7, कॉलोनी नंबर 2 के चौराहे पर सैनिकों के सम्मान में बनने वाले 'भारत के वीर सपूत जनरल बिपिन सिंह रावत प्रतिभा चौक' का शिलान्यास प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने किया। नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ की पहल पर निर्मित हो रहे इस चौक को जिले में सैनिक सम्मान के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। इस चौक पर 7 फीट ऊँची जनरल बिपिन सिंह रावत की

प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही चौराहे पर तिरंगा भी फहराया जाएगा, जिससे यह स्थल देशभक्ति और गौरव का स्थायी प्रतीक बनेगा। यह जिला का पहला ऐसा चौक है जिसे पूरी तरह सैनिकों के सम्मान को समर्पित किया जा रहा है। चौक पर स्थापित होने वाले शिलापट पर 40 गौरव सेनानियों के नाम अंकित किए जाएंगे। इसके अलावा पाँच कलर टाइल्स पर क्षेत्र के शहीदों की तस्वीरें भी लगाई जाएँगी, जिससे यह स्थल आने वाली पीढ़ियों को शौर्य, सेवा और बलिदान की प्रेरणा देता रहेगा। नगर पंचायत ने घोषणा की है कि चौक का लोकार्पण 16 मार्च, जनरल बिपिन सिंह रावत के जन्मदिन के अवसर पर किया जाएगा, ताकि श्रद्धांजलि और सम्मान का यह क्षण उनके नाम और व्यक्तित्व के साथ पूर्णतः समर्पित हो सके। शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा नेता तिलक राज गंभीर, कैप्टन जितेंद्र कुमार पांडे, पूर्व सैनिक जिला अध्यक्ष इंदर सिंह राठौड़, भूपेंद्र आर्य, विजय शर्मा सहित अनेक पूर्व सैनिक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सैनिकों के सम्मान में उठाया गया यह कदम गूलरभोज के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ देगा।

गोवा में हुए अग्निकाण्ड पर सीएम ने जताया शोक

देहरादून ।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोवा की दु:खद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना में उत्तराखंड के नौ लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठोर समय में प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गोवा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्रता से पूरा कराया जाए ताकि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कांग्रेस की महारैली में दिल्ली पहुंचने का आहवान

रुद्रपुर (उद संवाददाता) ।शिव नगर ट्रांजिट कैंप में पूर्व पार्षद मोहन भारद्वाज की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक सभा का आयोजन किया गया। बैठक में तय किया गया कि दिल्ली के रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़, महारैली में रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र से भी अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता पहुंचकर रैली को सफल बनाएंगे, इससे पूर्व यहां पहुंचने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा, महानगर कांग्रेस कमेटी की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती ममता रानी, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, सहित अन्य कांग्रेस जनों का फूल मालाएं पहनाकर एवं पीत वस्त्र डालकर उनका भव्य स्वागत किया गया ।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा सहित पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा,और महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ममता रानी ने भी सभा को संबोधित किया । सभी कांग्रेस नेताओं ने जनता का आवाहन किया कि वह भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के लिए और देशभर में उनके द्वारा की जा रही वोट चोरी के विरोध में दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विशाल रैली में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर सोनू को वार्ड अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर बैठक का संचालन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में उमा सरकार, पूनम, बेबी सिकदर मधु सिकदर,निगम पार्षद का चुनाव लड़े अनुज दिक्षित, निरोध अधिकारी, राजू ,बालम सिंह, मोनू ठाकुर, विमलेश ,सावित्री, संतोष, कुसुम, प्रियंका, सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

फसल का मूल्य और कटाई की अनुमति दे सरकार: गणेश

किच्छा(उद संवाददाता)। कांग्रेस प्रवक्ता एवं राज्य आंदोलनकारी डॉ. गणेश उपाध्याय ने उत्तराखंड सरकार से मांग की है कि प्रयाग फार्म में किसानों द्वारा बोई गई फसल की कटाई तथा उनकी लागत का भुगतान सुनिश्चित करने का तत्काल समाधान निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिस भूमि का अधिग्रहण किया है, उस पर कई किसानों ने फसल बोई थी। ऐसे में सरकार को भूमि वापस लेने से पहले किसानों को उनकी बोई गई फसल काटने की अनुमति देनी चाहिए तथा उसका उचित मूल्य भी अदा करना चाहिए। उपाध्याय ने बताया कि नैनीताल हाई कोर्ट के आदेश के बाद 16 अगस्त 2025 को जिला प्रशासन ने पराग फार्म की भूमि का कब्जा ले लिया था। इस भूमि पर लगभग 32 किसानों ने 600 एकड़ क्षेत्र में धान की रोपाई की थी। किसानों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर समाधान निकालने की कोशिशें कीं, लेकिन अब तक कोई परिणाम नहीं निकल सका है। किसानों का कहना है कि यदि उन्हें सरकार की कार्रवाई की पहले से जानकारी होती, तो वे यहां खेती नहीं करते। लगभग चार महीने बीत जाने के बाद भी फसल काटने की अनुमति न मिलने से उनकी 30 से 40 प्रतिशत फसल बर्बाद हो चुकी है। यदि उन्हें कंबाइन मशीन से फसल कटाई की अनुमति मिल जाती, तो वे अपना कर्ज चुका सकते थे। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि दो किसानों की मौत हो चुकी है और तीन किसान आईसीयू में भर्ती हैं। हालात से व्यथित किसानों ने अब धरने पर बैठने का फैसला लिया है। परिस्थिति का जायजा लेने पहुंचे उत्तराखंड कांग्रेस प्रवक्ता और पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने किसानों से मुलाकात कर आश्वस्त किया कि कांग्रेस इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है और उनके हक की लड़ाई कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेगी।

बनभूलपुरा रेलवे भूमि पर फैसला कल! प्रशासन अलर्ट

एसएसपी ने बैठक लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश, भारी फोर्स रहेगी तैनात

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। शहर के चर्चित बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रकरण की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में कल 10 दिसंबर को होनी निर्धारित है। जिसे बेहद निर्णायक माना जा रहा है। इस संवेदनशील मामले पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हैं। पिछली

सुनवाई 2 दिसंबर को एसआईआर पर लंबी बहस के चलते पूरी नहीं हो सकी थी। इस बार मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति नोंग्मीकाम कोटिश्वर सिंह की तीन सदस्यीय बेंच सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला प्रभावित क्षेत्र के भविष्य की दिशा तय करेगा।10 दिसंबर को संभावित निर्णय के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया पूरे प्रभावित क्षेत्र की बैरिकेटिंग की जाएगी। साथ ही बिना लोकल आईडी को बनभूलपुरा के कोर क्षेत्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। उन्होंने बताया बनभूलपुरा में बीडीएस की चेकिंग शुरु हो गई है। संभावित उपद्रवियों पर मुचलका पाबंद कार्रवाई संदिग्धों की सघन चेकिंग की जा रही है। आज मुख्य स्थानों पर फ्लैग मार्च निकाला जाएगा। ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने कहा कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है, गड़बड़ी करने वालों को किसी भी हाल में नहीं छोड़ा जाएगा। सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी की जायेगी। पुलिस की टीम फील्ड के साथ-साथ ऑनलाइन भी सक्रिय है।भ्रामक पोस्ट, भड़काऊ संदेश या अफवाह फैलाने वालों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई होगी। 10 दिसम्बर को होने वाली सुनवाई के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कमी नहीं बरती जा रही है। इसके लिए क्षेत्र में तीन एएसपी, चार सीओ, दस इंस्पेक्टर, 45 उप निरीक्षक व अपर उप निरीक्षक, 250 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 4 फायर यूनिट, 4 टियर गैस यूनिट, 4 ड्रोन, 02 प्लाटून पीएसी तैनात की गई है। साथ ही 52 सीसीटीवी कैमरों से भी क्षेत्र की सघन निगरानी की जायेगी।

हल्द्वानी में कल यातायात रहेगा डाईवर्ट

हल्द्वानी ।रामपुर रोड से आने वाले एवं नैनीताल, भीमताल, भवाली एवं कैंचीधाम की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहन गन्ना सेंटर / शीतल होटल तिराहा से डायवर्ट होकर तीनपानी फ्लाईओवर से गौलापार रोड का प्रयोग नारीमन तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे व अन्य वाहन देवलचौड़ तिराहा से डायवर्ट होकर छड़ैल चौराहा से सेंट्रल हॉस्पिटल तिराहा होते हुए लालढांठ तिराहा से पंचक्की रोड का प्रयोग कर नारीमन तिराहा से अपने गंतव्य हो जाएंगे।बरेली रोड से आने वाले एवं नैनीताल, भीमताल, भवाली एवं कैंचीधाम की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहन तीनपानी फ्लाईओवर से गौलापार रोड का प्रयोग कर नारीमन तिराहा से होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे व अन्य वाहन गांधी इंटर कॉलेज तिराहा से डायवर्ट होकर एफटीआई तिराहा से आईटीआई तिराहा होते हुए मुखानी चौराहा से पंचक्की तिराहा से नारीमन तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। रामनगर / बाजपुर से आने वाले एवं नैनीताल, भीमताल, भवाली एवं कैंचीधाम की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहन नैनीताल तिराहा कालाढूंगी से डायवर्ट होकर मंगोली होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे व अन्य वाहन ऊंचापुल चौराहा / लालढांठ तिराहा से डायवर्ट होकर पंचक्की तिराहा होते हुए कॉल्टेक्स तिराहा से नारीमन तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। नैनीताल से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन रूसी बाईपास द्वितीय से डायवर्ट होकर रूसी बाईपास प्रथम होते हुए मंगोली से कालाढूंगी होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे व अन्य वाहन नारीमन तिराहा से डायवर्ट होकर गौलापार रोड का प्रयोग कर अपने गंतव्य को जाएंगे। कैंचीधाम / भवाली से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन भवाली तिराहा से डायवर्ट होकर मस्जिद तिराहा से नंबर वन बैंड ज्योलिकोट से होते हुए रूसी बाईपास द्वितीय से रूसी बाईपास प्रथम होते हुए मंगोली से कालाढूंगी होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।मुक्तेश्वर/ भीमताल से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन खुटानी बैंड भीमताल से डायवर्ट होकर भवाली मस्जिद तिराहा से नंबर वन बैंड ज्योलिकोट से होते हुए रूसी बाईपास द्वितीय से रूसी बाईपास प्रथम होते हुए मंगोली से कालाढूंगी होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। काठगोदाम से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन कॉल्टेक्स / हाइडिल तिराहा से डायवर्ट होकर पंचक्की तिराहा से लालढांठ तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। महारानी होटल तिराहा से डायवर्ट होकर सरस्वती रेस्टोरेंट तिराहा से दोनहरिया तिराहा होते हुए पानी की टंकी से मुखानी चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

रुद्रपुर । ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस ने पिछले काफी समय से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह जानकारी देते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

मणिकांत मिश्र द्वारा चलाये जा रहे वान्छित, पुरस्कार घोषित अपराधियो, लम्बित विवेचना, एनबीडब्ल्यू, कुर्की वारण्ट की तामिल एंव नशा तस्करो के विरुद्व कार्यवाही हेतु सघन अभियान चलाये जाने के क्रम मे प्रभारी निरीक्षक ट्रांजिट कैंप के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा न्यायालय से जारी एनबीडब्ल्यू संबंधित वाद से संबंधित दो वारण्टियो को गिरफ्तार किया गया है। जिनको न्यायालय पेश किया गया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए वारंटियों में सुकुमार मिस्त्री पुत्र पागल मिस्त्री निवासी वार्ड 3, ट्रांजिट कैंप व तेजपाल पुत्र गंगाचरण निवासी जनपद रोड, ट्रांजिट कैंप शामिल हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक विकास रावत व हे.का. अनिल कुमार शामिल थे।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने पुलिस पेंशनर्स की समस्याएं सुनी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर मणिकांत मिश्रा ने 8 दिसंबर 2025 को पुलिस कार्यालय रुद्रपुर में पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं तथा सुझावों के समाधान के उद्देश्य से एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को एक मंच पर लाना, उन्हें एक परिवार की तरह जोड़ना और हर परिस्थिति में पारस्परिक सहयोग की भावना को और सुदृढ़ करना था। एसएसपी मिश्रा ने पेंशनर्स को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने, विशेषकर नशा उन्मूलन अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।बैठक के

दौरान उपस्थित पेंशनर्स ने अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा विभागीय समस्याओं को विस्तार से रखा। एसएसपी ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए तुरंत संज्ञान लिया तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।गोष्ठी में पेंशनर्स से संवाद के बेहतर साधन विकसित करने पर भी बल दिया गया। इसके तहत जनपद के सभी पुलिस पेंशनर्स और उनके आश्रितों के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाने की घोषणा की गई, ताकि वे अपनी समस्या, शिकायत या सुझाव सीधे साझा कर सकें और उनका समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके।एसएसपी मिश्रा ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की सीएलजी (सामुदायिक संपर्क समूह) मीटिंग में पुलिस पेंशनर्स को नियमित रूप से आमंत्रित करें, ताकि वे सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहें और समुदाय के साथ उनका संपर्क मजबूत हो। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय अथवा जनपद स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय पर्वों और विशेष कार्यक्रमों की जानकारी भी समय पर पेंशनर्स तक पहुँचाई जाएगी और उन्हें सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा।गोष्ठी के अंत में एसएसपी ने कहा कि नशा उन्मूलन केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने पेंशनर्स और उनके आश्रितों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों और मोहल्लों में नशा मुक्ति अभियान को जनजागरण का रूप दें, ताकि समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त किया जा सके।

लोगों को कूड़ा पृथक्करण के प्रति किया जागरूक

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर निगम द्वारा ठोस अवशिष्ट प्रबंधन योजना के अंतर्गत स्रोत पर कूड़ा एकत्रीकरण कर सोर्स सेग्रीगेशन के अंतर्गत गीला कूड़ा सूखा कूड़ा अलग-अलग कर कूड़ा गाड़ी को दिए जाने हेतु श्रीजी स्वयं सहायता समूह के सहयोग से वार्ड 51 मयूर विहार में आरंभ किया गया। नगर आयुक्त परितोष वर्मा द्वारा स्वयं सहायता समूह के साथ घर-घर जाकर कूड़े के पृथक्करण हेतु लोगों को जागरूक किया गया। नगर आयुक्त द्वारा लोगों से आवाहन किया गया कि लोग घर पर ही कूड़ा पृथक्करण करें और कूड़ा गाड़ी को दें। कूड़ा गाड़ी के माध्यम से कूड़ा एमआरएफ सेंटर में पहुंचाया जाएगा। जहां कूड़े का

आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जाएगा स जिससे हल्द्वानी शहर स्वच्छ और सुंदर होगा। वार्ड 51 के उपरांत सभी वार्डों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा एवं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कूड़ा पृथक्करण हेतु सहयोग लिया जाएगा। जागरूकता कार्यक्रम में गणेश भट्ट सहायक लेखा अधिकारी, डॉ. आई पी पंत नगर परियोजना प्रबंधक, भाषित पाठक, रजनी नैनवाल एवं अर्चना सहित 10 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रही।

एएनएम को टीकाकरण सहित महत्वपूर्ण जानकारियां दी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में डा. के.के. अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में नियमित टीकाकरण की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खण्ड रुद्रपुर की समस्त ए.एन.एम. को नियमित टीकाकरण, यू-विन, आर.सी.एच., एच.एम.आई.एस., डाटा, प्रबन्धन, माईक्रो प्लानिगं, ए.ई.एफ.आई., वी.पी.डी. सर्विलांस का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सर्विलांस मेडिकल आफिसर डा. मीनाक्षी सुमन ने जिला स्तर पर टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव की पहचान, वर्गीकरण, रिर्पोटिंग एवं निगरानी प्रणाली संबंधी जरूरी सुझाव

दिये। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. राजेश आर्या द्वारा बताया गया कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद में निवासरत सभी समुदाओं को टीकाकरण की सेवायें देकर उन्हें बीमारियों से बचाया जाना है। साथ ही सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की रिर्पोटिंग तुरंत जिला मुख्यालय में की जाए। जिससे ए.ई.एफ.आई. सर्विलांस को और अधिक प्रभावी किया जा सके। इसी के साथ प्रदीप महर, सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी एवं प्रदीप पाठक, वी.सी.सी.एम. के द्वारा यू.-विन पोर्टल पर एन्ट्री करने से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए आयोजित किया रक्तदान शिविर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। थैलसीमिया से जूझ रहे बच्चों के लिए रक्त की बढ़ती कमी को देखते हुए सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा नील मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड, पंतनगर में एक विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। पिछले कई दिनों से सरकारी रक्त बैंक, रुद्रपुर में रक्त उपलब्ध न होने की स्थिति सामने आने पर ट्रस्ट ने समाज से सहयोग की अपील की, जिस पर लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया देते हुए आगे आकर बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लेते हुए

कुल 51 यूनिट रक्तदान किया। यह रक्त उन थै लसीमिया पीड़ित मासूम बच्चों के लिए जीवनदायी सिद्ध होगा, जिन्हें हर पंद्रह दिन में नियमित रूप से रक्त चढ़ाना आवश्यक होता है। शिविर के दौरान सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष रामवीर यादव, उपाध्यक्ष अलका अरोड़ा, साथ ही आलोक सिंह, प्रमोद यादव और मनोज सिंह उपस्थित रहे। सरकारी रक्त बैंक, रुद्रपुर की चिकित्सा टीम ने शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। वर्तमान समय में रक्त बैंकों में रक्त की लगातार कमी के कारण थै लसीमिया बच्चे गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। इन बच्चों का जीवन नियमित रूप से मिलने वाले रक्त पर ही निर्भर है। इस परिस्थिति को देखते हुए सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट ने सभी संस्थाओं, कंपनियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से हृदयपूर्वक अपील की है कि जहां भी संभव हो, रक्तदान शिविर आयोजित करवाने में सहयोग करें। ट्रस्ट का कहना है कि आपका एक यूनिट रक्त किसी बच्चे के लिए नया जीवन बन सकता है। मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है, और आज दिया गया आपका छोटा सा योगदान किसी मासूम के लिए आशा की किरण बन सकता है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

नाईट क्लब में आग

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है। गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है। खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है। किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी। गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे के बाद गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है। सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी इमारतों तक अग्नि शमन सेवा के वाहनों की आसान पहुंच हो। कई बार आग व्यापक तबाही का कारण इसलिए बनती है कि उस पर काबू पाने के उपाय अपर्याप्त होते हैं, लोगों के बाहर भागने और अग्नि शमन वाहनों के घटनास्थल पहुंचने का रास्ता संकरा या बाधित होता है। हादसे और उसमें लोगों की मौत के बाद सरकार तथा प्रशासन की ओर से कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई और हताहतों या उनके परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की औपचारिकता जरूर पूरी की जाती है, लेकिन नियम-कायदों पर अमल को लेकर अगर प्रशासनिक सक्रियता सामान्य दिनों में भी कायम रहे तो शायद कई त्रासदियों से बचा जा सकता है।

कालबेलिया समाज की बेटियों ने बदली रूढ़िवादी सोच

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अभाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इतना गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालात की मजबूरी और पितृसत्तात्मक मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी थी कि बेटा वंश का वाहक है, कमाने वाला है और बुढ़ापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोसकर अंततः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैंगिक भेदभाव को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासूम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अभाव ने इस सोच को और मजबूत किया।कालबेलिया समुदाय परंपरागत रूप से घुमंतू रहा है। उनके डेरे एक स्थान से दूसरे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुरमा बनाने और तमाशा दिखाने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। महिलाएं घर-घर जाकर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पेट पलता था। ऐसे अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपाई के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी अमानवीय परंपरा भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सौदे का हिस्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई। साल 1972 में जब वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और सांप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो पहले से ही हाशिए पर थीं। हालांकि यही संकट उनके लिए एक अवसर भी बनकर आया। महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली को अपनाया, उसे सहेजा और मंचों तक पहुंचाया। कालबेलिया नृत्य, जो कभी सिर्फ समुदाय के भीतर सीमित था, अब सात समुंदर पार अपनी पहचान बना चुका है। इसकी विशिष्ट लय, भाव-भंगिमा और पारंपरिक वेशभूषा ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अंततः इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया।यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पीछे जिन हाथों की मेहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे। उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इजाजत नहीं थी, जिन्हें पर्दे और परंपराओं में कैद करके रखा गया था। गुलाबो सपेरा जैसी कलाकार को पद्मश्री मिलना और ममता जोगी का आईएएस अधिकारी बनना इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। आज कई कालबेलिया महिलाएं नृत्य के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, गुदड़ी बनाने, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं। फिर भी विडंबना यह है कि समाज की सोच पूरी तरह नहीं बदली है। आज भी बड़ी संख्या में परिवार ऐसे हैं, जो सार्वजनिक मंच पर नृत्य करने वाली बेटियों को सम्मान की नजर से नहीं देखते। उनकी कला को रोजगार नहीं, बल्कि मर्यादा का उल्लंघन मान लिया जाता है। ऐसे परिवारों की बेटियां चाहकर भी अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाती, क्योंकि उन्हें सामाजिक बहिष्कार, तानों और बदनामी का डर दिखाया जाता है। एक ओर समाज उनकी कला से पहचान चाहता है, दूसरी ओर उसी कला को अपनाने वाली स्त्री को संदेह की नजर से देखता है। यह दोहरा मापदंड ही लैंगिक भेदभाव की असली पहचान है।कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नृत्य को विश्व मंच पर सराहा जाता है, लेकिन उन्हें अपने गांव और समाज में बराबरी का दर्जा नहीं मिलता। वे अपनी कला के कारण प्रसिद्ध हैं, लेकिन अपने अधिकारों के लिए आज भी अनसुनी हैं। बाल विवाह, अशिक्षा, घरेलू हिंसा और निर्णय लेने की आजादी का अभाव आज भी उनकी लड़ाई के हिस्से हैं।अब बदलाव की असली जरूरत केवल योजनाओं और नारों में नहीं, मानसिकता में है। सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं जब तक जमीन पर जाकर इन महिलाओं के साथ सीधे काम नहीं करेंगी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। शिक्षा को बढ़ावा देना, आर्थिक सहायता देना और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है पुरुषों की सोच में परिवर्तन लाना। उन्हें यह समझना होगा कि बेटी बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। वहीं महिलाओं को भी अपने भीतर वर्षों से बैठे डर और हीन भावना को तोड़कर आगे आना होगा।कभी जिन बेटियों को कालबेलिया समाज में बोझ समझा जाता था, आज वही उसकी सबसे बड़ी ताकत बन चुकी हैं। गरीबी, असुरक्षा और पितृसत्तात्मक सोच के कारण जिन लड़कियों को जन्म के साथ ही मौत के घाट उतार दिया जाता था, वही आज अपनी कला, शिक्षा और आत्मनिर्भरता से परिवार और समाज का भविष्य संवार रही हैं। यह यात्रा आसान नहीं रही है, क्योंकि आज भी उन्हें बराबरी और सम्मान के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ रहा है। अब कालबेलिया समाज की बेटियां केवल नृत्यांगनाएं नहीं, बल्कि बदलाव की प्रतीक बन चुकी हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि जिन बेटियों को कभी बोझ समझा गया, वही बेटियां आज इतिहास रच सकती हैं। आवश्यकता है तो बस इतना कि समाज उन्हें वह सम्मान और बराबरी दे, जिसकी वे सच्ची हकदार हैं। यही असली सामाजिक न्याय होगा और यही लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सबसे मजबूत जीत है।

-देवेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

राजभवन में परिवार मिलन समारोह आयोजित

देहरादून(उद संवाददाता)। लोक भवन देहरादून में आज "परिवार मिलन समारोह" आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) एवं प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने लोक भवन परिवार के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कर्मचारियों की व्यक्तिगत एवं कार्यालय संबंधी समस्याएं विस्तार से सुनीं और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया। राज्यपाल द्वारा प्रत्येक छह माह में परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसके माध्यम से लोक भवन में कार्यरत कार्मिकों की समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेकर उनका समाधान किया जाता है। राज्यपाल ने सभी उपस्थित परिवारजन का स्वागत करते हुए कहा कि लोक भवन केवल एक प्रशासनिक स्थल नहीं, बल्कि एक परिवार है, जो "हम" की भावना से जुड़े हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन की वास्तविक शक्ति इसके अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन हैं। उन्होंने कर्मचारियों

के साथ-साथ उनके जीवनसाथी, माता-पिता और बच्चों को भी इस परिसर की सफलता में समान भागीदार बताते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने विगत माह नैनीताल भ्रमण पर राष्ट्रपति महोदया के सफल प्रवास के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधि कारियों एवं कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया के भ्रमण के दौरान टीम भावना, समर्पण और समन्वय का श्रेष्ठ उदाहरण पूरे लोक भवन परिवार ने प्रस्तुत किया, जिसके लिए पूरा परिवार बधाई का पात्र है। इसी क्रम में, लोक भवन में दिलाए जा रहे वुशु प्रशिक्षण एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन परिसर में स्थापित बालिका आत्मरक्षा केंद्र, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, योग-ध्यान केंद्र और आरोग्य धाम जैसी सुविधाएँ कर्मचारियों के कल्याण के लिए हैं और इनका अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि लोक भवन परिवार की कार्य-संस्कृति में ईमानदारी, पारदर्शिता, समयबद्धता, संवेदनशीलता और सुशासन सर्वोपरि रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर निर्णय और संवाद में जनता का विश्वास झलकना चाहिए ताकि लोक भवन की गरिमा बनी रहे। इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव श्रीमती रीना जोशी, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव सहित लोक भवन के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

पीआरडी जवानों का बीमार होने पर नहीं रुकेगा मानदेय : रेखा आर्य

देहरादून। बीमार होने पर अगर पीआरडी जवान अस्पताल में भर्ती रहता है तो अब 6 महीने तक उसका मानदेय नहीं रोका जाएगा। सोमवार को सचिवालय स्थित एफआरडीसी सभागार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियों को इसके निर्देश दिए।बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि विभाग पीआरडी जवानों की सभी जायज मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेगा। उन्होंने कहा कि पीआरडी के लिए स्वयं सेवक के बजाय दूसरा उचित शब्द इस्तेमाल करने

की मांग पर भी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है। मंत्री ने बताया कि पीआरडी जवानों को मिलने वाली सहायता राशि में इजाफा करने और बीमार होने की दशा में मानदेय नियमित रूप से देने के निर्देश जारी किए गए हैं। बैठक में च्त्क संगठन प्रतिनिधियों ने 365 दिन रोजगार दिए जाने का मुद्दा उठाया। जिसके बाद मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस दिशा में कदम उठाने के लिए निर्देश दिए।

पौड़ी में उच्चाधिकारियों ने किया वन्यजीव प्रभावित गांव का दौरा

प्रभावित परिवार को दी मुआवजा राशि,पशुपालकों के लिए की जा रही चारा व्यवस्था

पौड़ी। पौड़ी में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उच्चाधि कारियों को क्षेत्र भ्रमण तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में प्रमुख सचिव, वन, श्री आर.के. सुधांशु, आयुक्त गढ़वाल श्री विनय शंकर पाण्डेय एवं पीसीएफ हॉफ श्री रंजन कुमार मिश्र ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तहसील पौड़ी के गजल्ड गांव का दौरा किया और गुलदार के हमले में मृत स्वर्गीय राजेन्द्र नौटियाल के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। प्रमुख वन सचिव ने प्रभावित परिवार को सांत्वना देते हुए मुआवजे की अग्रिम राशि का चेक भेंट किया। प्रमुख सचिव ने गजल्ड की घटना को लेकर जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों के सहयोग की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान सरकारी तंत्र और जनसहभागिता के संयुक्त तंत्र और आपसी सहयोग में निहित है। प्रमुख वन सचिव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आदमखोर गुलदार के निस्तारण के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद सत्यखाल गांव में स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी वन्यजीव संबंधी शिकायतें सुनीं और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। दौरे के बाद प्रभावित क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने विकास भवन में प्रमुख सचिव से भेंट कर मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रभावी न्यूनीकरण के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किये। इनमें क्षेत्र से परिचित स्थानीय निवासियों को निस्तारण दल में शामिल करने, गुलदार को ज्तंदुनपसप्रम करने के लिए दो निजी शूटरों की अनुमति

देने और Pre Recorded Audio Massages के माध्यम से जनजागरुकता प्रसारित करने की मांगें शामिल थीं। प्रमुख सचिव ने इन बिंदुओं पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी दिए। प्रमुख सचिव ने इसके बाद विकास भवन सभागार में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण के लिए प्रत्येक रेंज स्तर पर नियमित रूप से प्रभागीय दिवस आयोजित किया जायेगा। उन्होंने विभाग को निर्देशित किया कि 'क्या करें-क्या न करें' आधारित जनजागरुकता सामग्री तैयार कर शीघ्र वितरित की जाए और रेंज एवं वन पंचायत स्तर पर व्हाट्सएप समूहों के साथ-साथ प्रभागीय स्तर पर विभागीय सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग वन्यजीव गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं के प्रसार के लिए किया जाए। आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडे ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष एक संवेदनशील विषय है, जिसमें त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ समुदाय का सतत सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। जिला प्रशासन, वन विभाग और स्थानीय जनसमुदाय मिलकर कार्य करें तो इस चुनौती को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने स्पष्ट किया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण से जुड़े सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए नियमित चारा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पशुपालन विभाग को भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए हैं। साथ ही प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के दृष्टिगत विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों का समय बदला गया है।

सिख समुदाय के प्रति हमारे मन में अटूट श्रद्धाभाव: गोदियाल

हरक सिंह के बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने मांगी माफी

देहरादून। राजधानी देहरादून में अधिवक्ताओं के धरना स्थल में पहुंचे कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डा हरक सिंह रावत की सिख समुदाय को लेकर टिप्पणी से उपजे उबाल को थामने के लिए कांग्रेस अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। सिख समुदाय की नाराजगी दूर करने और स्थिति संभालने के लिए अब पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मैदान में उतरकर मोर्चा संभाल लिया है। प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल ने कांग्रेस की ओर से सिख समुदाय से माफी मांगी तो हरक सिंह रावत ने गुरुद्वारा पौंटा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हाजिरी में अरदास कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। साथ ही पश्चाताप करते हुए जोड़ा घर व लंगर रसोई में सेवा की। उधर हरक प्रकरण के बाद भाजपा भी कांग्रेस के खिलाफ हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। इस परिदृश्य में कांग्रेस की कसरत कितनी रंग लाएगी, यह तो समय ही बताएगा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रकरण के आलोक में कहा कि गलती स्वीकारना ही सच्ची सेवा है और गुरु की शरण में झुकना ही सच्चा साहस। इंटरनेट मीडिया पर साझा पोस्ट में उन्होंने कहा कि जुबान की फिसलन कभी-कभी बहुत भारी पड़ जाती है। ऐसी ही एक फिसलन का शिकार हरक सिंह रावत हो गए। उन्होंने कहा कि सिख एक महान, वीर और श्रद्धेय कौम है, जो हमारे राष्ट्रीय सम्मान, साहस व त्याग का प्रतीक है। मनसा वाचा कर्मणा से कहीं भी हमसे गलती हो जाए तो हमारे लिए एक ही मार्ग है गुरु साहब की शरण में जाना।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि जिस कौम (सिख समुदाय) ने सनातन की रक्षा के लिए अपने शीश तक बलिदान कर दिए, उस वीर कौम के प्रति हमारे मन में अटूट श्रद्धाभाव और गहरा सम्मान है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री डा हरक सिंह रावत ने जो टिप्पणी की, वह केवल जुबान फिसलने भर का वाकया है, उनकी सिख समुदाय के प्रति कोई गलत भावना नहीं थी। रावत ने अपने बयान के बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली थी। कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उनकी भी जिम्मेदारी है और उन्होंने कांग्रेस की तरफ से समस्त सिख समुदाय से माफी मांगी है। साथ ही पार्टीजनों को हिदायत दी है कि वे भविष्य में ऐसे बयानों से बचें, जिससे किसी समुदाय विशेष की भावनाएं आहत होती हों। पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को डा रावत का नाड़ी दोष नजर आ रहा है, लेकिन उनकी नाड़ी देखने वालों की भी कमी नहीं है। साथ ही जोड़ा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मजाकिया लहजे में यह बात कही थी। उन्होंने राज्य सरकार को भी घेरा। वहीं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने इस प्रकरण में सिख समुदाय से क्षमा याचना की है। उन्होंने कहा कि कोई भी गलती होने पर आपकी स्वीकारोक्ति ही आपको दूसरों की नजर में क्षमा का अधिकारी बना देती है। सिख समाज ने सदैव श्रम, शौर्य, समर्पण, सेवा, सहयोग, सहायता व सहृदयता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। सिख समाज का पूरा इतिहास शौर्य व बलिदान की बेमिसाल गौरवगाथा है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता सिख समुदाय की धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को सर्वोच्च सम्मान देता है। कांग्रेस परिवार सिख धर्म और उसकी महान परंपराओं का सम्मान करती है।

गलती स्वीकारना ही सच्ची सेवा है और गुरु की शरण में झुकना ही सच्चा साहस

देहरादून। कांग्रेस नेता हरक सिंह के एक विवादित बयान के बाद सिख समाज में रोष है तो वहीं कांग्रेस भी अपने आप को असहज महसूस कर रही है। सोमवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत आढ़त बाजार गुरुद्वारे में पहुंचे और अरदास की। पूर्व सीएम ने गुरूद्वारे के सेवादारों के साथ भेट कर लंगर सेवा की । इसके साथ ही उन्होंने जोड़ा घर में सेवा (संगत के जूते रखने का स्थान) भी की। उन्होंने कहा कि जो गलती हुई है हम सिख समुदाय से उसकी माफी मांगते हैं। सोमवार की शाम पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत आढ़त बाजार स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा पहुंचे। यहां उन्होंने अरदास के साथ ही लंगर सेवा कर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय भारत का एक गौरवशाली, उदार समाज है, ऐसे समाज की सपने में भी अपमान की कल्पना नहीं की सकती। उन्होंने कहा कि गलती स्वीकारना ही सच्ची सेवा है और गुरु की शरण में झुकना ही सच्चा साहस है।

चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

रुद्रपुर। चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के 23वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में कालेज में एल्युमिनाई मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालेज के एमडी डॉ. के.सी. चंदौला ने चिकित्सा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर उत्कृष्ट सेवाएं देकर कालेज का नाम रोशन कर रहे पूर्व छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मानित किये गये पूर्व छात्र-छात्राओं में डॉ. आलिया, डॉ. रश्मि नेगी, डॉ. परिधि, डॉ. जयंत जोशी, डॉ. आनंद गंगवार, डॉ. मनीषा, डॉ. अंशु गुप्ता, डॉ. अल्पना चंदौला, डॉ. सोनिया डांगी, डॉ. श्वेता और डॉ. नीलम कोहली शामिल थे। डा. चंदौला ने इन सभी के चिकित्सा क्षेत्र में योगदान और समर्पण की विशेष रूप से सराहना की । कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सलोनी आर्या और रोहन को भी सम्मानित किया गया। एमडी डा. चंदौला ने कालेज के वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने के लिए डॉ. श्वेता चौधरी सहित अन्य स्टाफ और छात्रों का आभार व्यक्त किया। डॉ. के.सी. चंदौला ने कहा हमारे कालेज से निकली प्रतिभाएं आज चिकित्सा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अपनी सेवाओं के माध्यम से समाज में योगदान दे रही हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमारा उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में भी कालेज ऐसे योग्य डॉक्टरों को तैयार करता रहे जो न केवल चिकित्सा में निपुण हों, बल्कि समाज की सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाएं। यह सम्मान हमारी उन सभी पूर्व छात्र-छात्राओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने कार्य और प्रतिबद्धता से कालेज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता चौधरी ने किया।

महाविद्यालय में फीस फॉर्म विलंब शुल्क के विरोध में धरना प्रदर्शन

रामनगर। सोमवार को पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय के खिलाफ विरोध जताते हुए महाविद्यालय परिसर में शांतिपूर्ण धरना दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्र-छात्राओं के प्रति अनुचित व्यवहार के आरोप लगाए गए।महाविद्यालय के विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष नीरज कंडारी ने बताया कि रामनगर महाविद्यालय में दूर-दराज से छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ छात्र-छात्राओं के कारण परीक्षा फॉर्म समय पर भरना संभव नहीं हो पाया। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन पर दोगुना विलंब शुल्क लगाने का आदेश जारी किया, जो पूरी तरह अव्यवहारिक है।छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे ने इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि यह शुल्क वसूली न केवल अनुचित है, बल्कि छात्रों के हितों के खिलाफ भी है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर महाविद्यालय के प्राचार्य के माध्यम से पहले ही कुलपति को ज्ञापन भेजा गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।धरने के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय में वर्तमान में परीक्षाएं चल रही हैं और इस कारण वे शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे हैं, ताकि शिक्षण और परीक्षा संचालन में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने कुलपति से अनुरोध किया कि जो पूर्व निर्धारित शुल्क था, वही छात्रों से लिया जाए।

पेज एक का शेष...

एसआई में बाधा पर... सिंह, मेदिनीपुर संभाग के लिए गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद, और बर्दवान संभाग के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी और जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 4 नवंबर 2025 से शुरू हुआ था और अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी और एसआरओ की नियुक्ति के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण सुचारू और निष्पक्ष तरीके से पूरा होगा।

हरीश रावत ने सिख ...सेवा की। उन्होंने आगे कहा जिस भी हमारे साथी से यह गलती हुई है, उसके लिए क्षमा मांगी गई है। हम समाज के सभी वर्गों का सम्मान करते आए हैं। विशेषकर सिख समाज देश का सिरमौर है और पराक्रम, परंपराओं और शौर्य का प्रतीक रहा है। आज भी सिख समाज अन्नदाता के रूप में राष्ट्र के निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहा है। हमारे साथी की कभी कोई ऐसी भावना नहीं रही, लेकिन कभी-कभी शब्द इधर-उधर हो जाते हैं। इस गलती के लिए आज श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आगे नतमस्तक होकर प्रायश्चित किया गया। दरअसल, हाल ही में हरक सिंह रावत ने एक सिख अधिवक्ता के खिलाफ टिप्पणी करते हुए सिख समुदाय के बारे में विवादित और अमर्यादित शब्द कह दिए थे, जिससे समाज में नाराजगी फैली। इस पर हरीश रावत ने न केवल दुख जताया, बल्कि स्थिति को सुधारने और सद्भाव बनाए रखने के लिए गुरुद्वारा में सेवा और माफी की पहल की। इस मौके पर कांग्रेस नेता संजय शर्मा, महेंदर सिंह नेगी, ओमप्रकाश सती, गुलजार अहमद, दीप वोहरा, जसबीर रावत, कमल सिंह रावत सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

शहरी विकास को नई ..सड़कों, जल आपूर्ति, जलनिकासी, पार्क, सामुदायिक केंद्र और अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण से शहरवासियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहरवासियों की आकांक्षाओं के अनुरूप भविष्य की योजनाओं को प्राथमिकता देगा।मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों और अधिकारियों से शहर को और अधिक विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता और सरकार के संयुक्त प्रयास से ही देहरादून को राष्ट्रीय स्तर का मॉडल शहर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में देहरादून के प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक विनोद चमोली, विधायक उमेश शर्मा काऊ, महापौर सौरभ थपलियाल, नगर आयुक्त नमानी बंसल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

प्राधिकरण के खिलाफ..मानचित्र स्वीकृति के भवन को बिजला कनेक्शन देने पर रोक लगा दी है। जबकि करीब 50 प्रतिशत परिवार बिना रजिस्ट्री वाली जमीन पर रहते हैं। श्री पनेरू ने मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छोटी कालोनियों को सरल प्रक्रिया से वैध घोषित किया जाये, डीडीए कों ग्रामीण क्षेत्रों में नोटिस व सीलिंग करने से रोका जाये, गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों पर नोटिस सीलिंग दबाव की नीति बंद की जाये, नक्शा पास कराने में हो रही रिश्वत खोरी की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये, पर्वतीय व मध्यम वर्गीय व परिवारों के लिए सस्ती व सरल आवास नीति लागू की जाये आदि की मांगे प्रस्तुत की हैं। उनका कहना है कि यदि 7 दिनों में प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो तालाबंदी, धरना प्रदर्शन, कार्यालय घेराव, भ्रष्ट अधिकारियों के विरूद्ध सार्वजनिक विरोध आन्दोलन किया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी जिला विकास प्राधिकरण अधिकारियों की होगी। प्रदर्शन करने वालों में मनोज पनेरू, सुमित पाण्डे, आकाश चौहान, इन्द्र सिंह रौतेला, संजय अधिकारी, प्रकाश पंत, गोपाल सिंह, कुन्दन सिंह, विजय गिरी, हेम सिंह, हरीश पाण्डे, वाई एस कोरंगा, नवीन पिलखवाल व राजेन्द्र बिष्ट आदि शामिल थे।

विधायक ने चार किमी...लगभग 50 हजार लोग इस मार्ग का उपयोग करते हैं। अब इससे आवागमन सुरक्षित और सहज हो गया है। उन्होंने कहा कि अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मार्गों का निर्माण कराया है जो दशकों से खस्ताहाल थे। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिली है और देवभूमि उत्तराखंड को एक नई पहचान मिल रही है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, पार्षद निमित्त शर्मा, राधेश शर्मा, सांसद अनुभव चौधरी, डॉ. अशोक निराला, सुन्दर लाल, पंकज, दिनेश राणा, नवीन साह, एमपी मौर्य, राजेंद्र राठौर, शंकर विश्वास, पवन राणा, प्रभु यादव, आदेश भरद्वाज, अलोक, गिरीश राठौर, शैलेश गुप्ता, मुरली यादव, बलवीर सिंह, गीता शर्मा, आशा मुंजाल, संतोष पाल, सुदीप डे, राजा भरद्वाज, रचित सिंह, मनोज मदान, दिवान रेसवाल, अपूर्व विश्वास, अरविंद पाल, जीतेन्द्र पाल, संजू, आकाश रस्तोगी, सतेन्द्र सिंह, रघुवीर सिंह, राज किशोर, लाल सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आराध्या को गोल्ड, आरव चंदेल ने जीते गोल्ड व सिल्वर मेडल

रूद्रपुर। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित उत्तराखंड स्टेट जू-जित्सु चौंपियनशिप 2025 में भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के युवा मार्शल आर्टिस्ट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। छात्रों ने पूरे मुकाबले के दौरान बेहतरीन तकनीक, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया।अंडर-10 गर्ल्स कैटेगरी में प्रतिभागी आराध्या ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उनके दमदार प्रदर्शन, आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास ने उन्हें प्रतिस्पर्धा में सबसे अलग साबित किया। वहीं, आरव चंदेल ने अपनी कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। कम उम्र में उनकी यह उपलब्धि उनकी रणनीतिक सोच, शारीरिक फिटनेस और मजबूत प्रतिस्पर्धी भावना को दर्शाती है।छात्रों की सफलता पर स्कूल मैनेजमेंट, प्रिंसिपल और स्पोर्ट्स विभाग ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धियां पढ़ाई व खेलों के बीच संतुलन और बेहतर प्रशिक्षण का नतीजा हैं। साथ ही कोचों के योगदान की भी सराहना की गई, जिन्होंने विद्यार्थियों के कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।छात्रों की उपलब्धियों पर अभिभावकों, शिक्षकों और सहपाठियों ने खुशी जताई। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि ऐसी सफलताएं अन्य बच्चों को भी प्रेरित करती हैं तथा संस्था भविष्य में भी युवा प्रतिभाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती रहेगी।

बगौरी ग्राम सभा की खुली बैठक में रखे गए विभिन्न प्रस्ताव

मकान, पेंशन, पशु शेड, बकरी बाड़ा आदि की मांग

सितारगंज(उद संवाददाता)।बगौरी ग्रामसभा में मंगलवार को ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी की अध्यक्षता में खुली बैठक आयोजित की गई। जिसमें ग्रामीणों ने मकान पेंशन सड़क पशु सेट आदि की मांग रखी। ग्राम प्रधान नसीमा बेगम ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम विकास अधिकारी सरबन सिंह को ग्राम में जनकल्याण कार्यों की जानकारी दी। यहां ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मकान, विभिन्न तरह पेंशन, सीसी रोड, नाली, बिजली, पानी, पशु शेड, बकरी शेड आदि की आवश्यकता है। ग्राम सभा के मेंबर फरीन, निदा, हिना, समा फिजा, फिरोज आदि ने भी अधिकारी विकास कार्योंकी आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान हाजी मोहम्मद अली, वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीपाल राणा, कृष्ण पाल राणा, उस्मान अली हामिद अली आदि मौजूद थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह शुरु

जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी में 68 कारीगरों ने किया प्रतिभाग

हल्द्वानी। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र पल्लवी गुप्ता ने अवगत कराया कि भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय तथा उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद, उद्योग निदेशालय देहरादून से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में 08 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी में जनपद के स्थानीय हस्तशिल्प कारीगरों एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में रूचि रखने वाले नव उद्यमियों के लिए एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हस्तकला को प्रोत्साहित करने, पारंपरिक शिल्प को संरक्षित रखने, तथा कारीगरों को आधुनिक बाजार की मांगों के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कारीगरों को हस्तशिल्प उत्पादों की गुणवत्ता सुधार, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग, बाजारों से प्रत्यक्ष जुड़ाव, और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 68 हस्तशिल्प कारीगरों और उद्यमियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ने, डिजाइन नवाचार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने संबंधी सत्रों में गहरी रुचि दिखाई। राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह के कार्यक्रम में श्रीमती रेनू अधिकारी, अध्यक्ष, राज्य महिला उद्यमिता विकास परिषद उत्तराखण्ड, रोबिन सिंह, प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, के. एस. कर्याल, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, जगदीश पाण्डे तथा जीवन चन्द्र जोशी, हस्तशिल्पी एवं उत्तराखण्ड शिल्प रत्न सम्मानित कलाकार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देघाट में आठ कट्टों में भरा 86 किलो गांजे के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

पुलिस ने कार चालक बाजपुर के युवक को पकड़ा

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान देघाट पुलिस ने सराईखेत रोड के पास एक तस्कर को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से वाहन में रखा 86.032 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, एसएसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार देघाट थानाध्यक्ष अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सराईखेत रोड के पास कार संख्या डीएल 3 सीसीजी 0504 को रोका। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो वाहन में आठ कट्टों बोरों में 86.032 किलो गांजा बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश पुत्र स्व अमरपाल कश्यप, निवास ग्राम महेशपुरा थाना बाजपुर जिला उधम सिंह नगर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत 21 लाख 50 हजार रुपये से अधिक आंकी गई। टीम में उपनिरीक्षक गंगाराम गोला, एएसआई राजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज पांडे, कांस्टेबल नीरज बिष्ट शामिल रहे। देघाट थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि व लोग गांजा सराईखेत से खरीदकर रामनगर ले जा रहे थे। जिसे वहां युवाओं को ऊंचे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने का इरादा था। चेकिंग के दौरान गिरफ्त में आया। उन्होंने बताया कि आरोपी के बारे में पुलिस द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

निर्मलनगर में अवैध मिट्टी खनन का गढ़, राजस्व जांच में माफिया बेनकाब

शक्तिफार्म। सूखी नदी से सटे निर्मलनगर क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का काला कारोबार एक बार फिर उजागर हुआ है। न केवल सरकारी भूमि, बल्कि किसानों के निजी खेत भी मिट्टी माफियाओं के निशाने पर हैं। खेत मालिकों और माफियाओं की मिलीभगत के चलते यह अवैध धंधा वर्षो से बेखौफ चल रहा है। राजस्व उपनिरीक्षक मोहम्मद इस्माईल की ताजा जांच में निर्मलनगर गांव की वर्ग-8 भूमि में सुखलाल समेत कई लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन की पुष्टि हुई है। जांच में पेनाल्टी लगाने की सिफारिश की गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की मिलीभगत के चलते माफिया हर बार कार्रवाई से बच निकलते हैं। हौसले इतने बुलंद हैं कि माफिया दिन और रात दोनों समय मशीनों और भारी वाहनों के जरिए खुलेआम खनन कर रहे हैं। सूखी नदी के किनारे स्थित निर्मलनगर 20 क्वार्टर गांव अवैध खनन का गढ़ बन चुका है। यहां माफियाओं का नेटवर्क इतना मजबूत है कि हर हलचल की उन्हें पहले से भनक लग जाती है। मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मुख्य सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रही हैं, लेकिन कोई पकड़ में नहीं आता। राजस्व उपनिरीक्षक ने बताया कि सोमवार को सुखलाल और अन्य के खिलाफ विभिन्न खसरा नंबरों में अवैध खनन की पेनाल्टी रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

नवनर्मित मण्डी की बदहाली को लेकर सचिव से मिले ठुकराल

रूद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने रूद्रपुर में नवनिर्मित मण्डी भवन की बदहाली एवं आढ़तियों को दुकानों के ब्लॉकों का आवंटन न किए जाने के मामले को लेकर देहरादून में कृषि विभाग के सचिव एसएन पाण्डे से मुलाकात की और उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। ठुकराल ने बताया कि उनके विधायक कार्यकाल के दौरान आदित्य नाथ झा राजकीय इंटर कालेज की भूमि का उत्तराखण्ड शासन से हस्तांतरण कराकर उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश की सीमा पर विशाल अनाज मण्डी का निर्माण कराया गया था। उन्होंने कहा कि मण्डी का उद्देश्य न केवल आढ़तियों के लिए व्यवस्थित दुकानें उपलब्ध कराना था, बल्कि इससे राजस्व संग्रह बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में भी मदद मिलनी थी। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि आज तक नवनिर्मित मण्डी में गल्ला आढ़तियों को दुकानों के ब्लॉकों का आवंटन नहीं किया गया है, जिससे मण्डी जर्जर और निष्प्रयोज्य स्थिति में पहुंच गई है। पूरे परिसर में घास उग आई है, नशेडियों का जमावड़ा रहता है और मण्डी में रखे सामान की चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं। इसके अलावा, ठुकराल ने निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शटर जंग खा चुके हैं और विभिन्न निर्माण कार्यो की गुणवत्ता भी अत्यंत खराब है। उन्होंने कहा कि यदि मण्डी शुरू होती है तो आढ़तियों से किराया व अन्य करों के माध्यम से राज्य को राजस्व प्राप्त होगा, साथ ही उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा। उन्होंने नवीन मण्डी के निर्माण में भ्रष्टाचार की जांच कराने और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत गल्ला आढ़तियों को दुकानों का आवंटन करने की मांग की। कृषि विभाग के सचिव एसएन पाण्डे ने ठुकराल को आश्वासन दिया कि इस मामले में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जाएगी और मण्डी के संचालन को सुचारू बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आढ़तियों और किसानों दोनों के हित में मण्डी की व्यवस्थाओं में सुधार करना विभाग की प्राथमिकता है।

शहीदी दिवस पर शबद कीर्तन एवं गोष्ठी का आयोजन

गदरपुर। नगर के प्रतिष्ठित रेड रोज कान्वेंट स्कूल में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी शताब्दी को समर्पित गोष्ठी का भारत विकास परिषद द्वारा आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेड रोज कान्वेंट स्कूल के डायरेक्टर नैब सिंह धालीवाल के निर्देश पर बच्चों द्वारा गुरबाणी कीर्तन करके किया गया। गोष्ठी में सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई के इंचार्ज देवेंद्र सिंघ द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन एवं शहीदी पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता की खातिर अपना बलिदान देकर देश धर्म और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होने का आहवान किया उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षा के अनुसार, किसी को डर देना भी नहीं है किसी से डरना भी नहीं है। नेक कार्य करने के लिए स्वयं को समर्पित कर देना चाहिए। उन्होंने भाई मतिदास, भाई सती दास, भाई दयाला जी की शहीदी पर भी जानकारियां प्रदान की। वहीं कार्यक्रम के समापन पर स. नैब सिंह धालीवाल ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद करने के साथ बच्चों को गुरु तेग बहादुर जी के आदर्शों पर चलने एवं देश धर्म की खातिर शहीद होने वाले अन्य शहीदों की जीवन गाथा का भी ज्ञान प्राप्त करने का आहवान किया। इस दौरान भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजीव ग्रोवर सचिव डॉ सोनू विश्वास, कोषाध्यक्ष डॉ. विनीत अरोड़ा, एवं महिला सहभागिता श्रीमती अंजू भुड्डी जी द्वारा रेड रोड कन्वेंट स्कूल के डायरेक्टर नैब सिंह धालीवाल और देवेंद्र सिंघ को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान स्कूल के सभी स्टाफ एवं बच्चों ने 'बोले सो निहाल,सत श्री अकाल' के जैकारे बोलकर गुरु तेग बहादुर जी एवं अन्य शहीदों को नमन किया।